अध्याय तृतीय

शोध प्रविधि एवं उपकरण

शोध प्रविधि :

इस अध्याय मे न्यादर्श का चयन, प्रदत्त सकलन हेतु उपकरण का निर्माण एव विकास प्रश्नावली (एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ क्वेरचनायर) एव आकडो के विश्लेशण मे प्रयुक्त तकनीक का वर्णन किया गया है ।

3.1 न्यादर्श का चयन

प्रस्तुत अध्ययन मे न्यादर्श के चयन हेतु शहडोल जिले के ग्रामीण अचल के प्राथमिक विद्यालयो के शिक्षको एव उन्हीं स्कूल के 60 विद्यार्थियो को चुना गया । 10 प्राथमिक विद्यालयो मे शिक्षको की कुल सख्या 52 थी जिसमे रेडम सिलेक्शन विधि का प्रयोग करते हुये 30 शिक्षको को अध्ययन के लिये चुना गया ।

इसी प्रकार उपरोक्त विद्यालयो के कक्षा 4 एव 5 के छात्र एव छात्राओ मे से प्रत्येक विद्यालय मे से कुल 6-6 विद्यार्थियो का चयन रेडम विधि से किया गया । इस प्रकार कुल 30 शिक्षको एव 60 विद्यार्थियो से आकडे एकत्र किये गये ।

3.2 न्यादर्श की विशेषतायें :

1 सभी अध्यापक प्राथमिक कक्षाओ को पढाते है ।

2 सभी अध्यापक ग्रामीण अचल के विद्यालयो मे कार्य करते है।

3 1 अध्यापको मे सामान्य जाति के 23 शिक्षक है।

2 अध्यापको मे अनु जनजाति के 3 शिक्षक है।

3 अध्यापको मे मुस्लिम जाति के 3 शिक्षक है

4 सभी विद्यार्थी कक्षा 4 एव 5 के है।

5 सभी विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्र के रहवासी है।

3.3 प्रश्नावली का निर्माण एवं विकास :

शोध के उद्देश्यो को ध्यान मे रखते हुये शिक्षको एव विद्यार्थियो के लिये अलग अलग प्रश्नावली का विकास किया गया । साथ ही शोध विषय के विभिन्न पहलुओ से सबधित प्रश्नो को इसमे शामिल किया गया ।

इस प्रश्नावली के निर्माण हेतु प्रपत्र को मुख्यत 6 भागो मे विभाजित किया गया । छठवे भाग मे परिचय विषयक आकडे लिये गये । प्रश्नो के निर्माण एव उनकी क्रमबद्धता को भी बनाये रखा गया है ।

शिक्षको के लिये निर्मित प्रश्नावली मे प्रसारण विषयक विभिन्न पहलुओ के कुल 30 प्रश्नो का समावेश किया गया है । इस प्रश्नावली मे हाँ या नहीं अथवा बहुविकल्पी प्रश्नो को शामिल किया गया था । इस बात का विशेष ध्यान रखा गया था कि प्रश्न सरल, स्पष्ट एव सटीक हो ताकि प्राप्त प्रति उत्तरो मे सदिग्धता न हो ।

प्रश्नावली के विभिन्न खड इस प्रकार थे –

- शैक्षिक कार्यक्रमो के प्रसारण सबधी प्रश्न
- शैक्षिक कार्यक्रमो की गुणवत्ता सबधी प्रश्न
- शिक्षको की जागरूकता एव प्रतिक्रिया सबधी प्रश्न

- शैक्षिक कार्यक्रमो से शिक्षको की अपेक्षाये एव भागीदारी सबधी प्रश्न
- कार्यक्रमो से सबधित कठिनाइयो के सबध में प्रश्न

दूसरी प्रश्नावली जिसका निर्माण छात्रो से शैक्षिक प्रसारण से सबधित आकडो के सकलन हेतु किया गया था के प्रमुख भाग निम्न थे ।

- शैक्षिक प्रसारण सबधी उपकरण एव सुविधाये
- शैक्षिक प्रसारण पूर्व तैयारी एव जागरूकता
- शैक्षिक कार्यक्रमो की गुणवत्ता एव छात्रो के लिये उपयोगिता
- शैक्षिक प्रसारण मे छात्रो की भागीदारी
- शैक्षिक प्रसारण के विषय वस्तु, समय एव विद्यार्थियो की उपलब्धता से सबधित तथ्य

इसके अतिरिक्त शिक्षको एव विद्यार्थियो के सुझावो के लिये भी दोनो प्रश्नावलियो मे कुछ प्रश्न शामिल किये गये थे ।

प्रश्नावलियो को प्रभावशाली एव आदर्श स्वरूप प्रदान करने हेतु एक ट्रायल रन योजना बनाई गई तथा इसे मूर्त रूप दिया गया । ड्राफ्ट प्रश्नावली को गजबासौदा स्थित तीन प्राथमिक शालाओ के 6 शिक्षको एव 15 विद्यार्थियो पर **एडमिनिस्टर (व्यवस्था करना)** किया गया । उपरोक्त शिक्षको एव विद्यार्थियो से व्यक्तिगत रूप मे सपर्क कर प्रश्नावली के प्रति उत्तर लिये गये । साथ ही प्रश्नावली के सबध मे उनसे सुझाव मागे गये ताकि प्रश्नावली मे निहित सभावित दोष दूर किये जा सके । उपरोक्त सुझावो को ध्यान मे रखते हुये दोनो प्रश्नावलियो मे वाछित

परिवर्तन लाकर प्रश्नावलियो को अतिम रूप प्रदान किया गया ।

3.4 प्रदत्त संकलन :

उपरोक्त शोध हेतु प्रदत्तो का सकलन माह दिसबर 1995 मे शहडोल जिले के ग्रामीण क्षेत्रो मे जाकर किया गया । इस उद्देश्य हेतु शोधकर्ता ने स्वय शहडोल जिले मे एक सप्ताह का समय लगाया । जिले के सबधित स्कूलो के शिक्षको एव विद्यार्थियो के चयन करने के उपरात शोधकर्ता ने प्रत्येक स्कूल के प्रधानाध्यापको से सपर्क कर उनको शोध के उद्देश्यो से परिचित कराया एव प्रदत्त सकलन हेतु अनुमति देने तथा आवश्यक सुविधाये प्रदान करने के लिये आग्रह किया । सबधित शिक्षको को प्रश्नावली की प्रति आग्रह पत्र सहित व्यक्तिगत रूप से दी तथा दो दिन के उपरात उनसे भरे हुये प्रपत्र एकत्र किये ।

प्रश्नावली मे शामिल प्रश्नो के प्रति उत्तर मे आयी कठिनाइयो के बारे मे शिक्षको से उनकी राय ली एव उसे रिकार्ड (ध्वनि मुद्रित) किया ।

विद्यार्थियो से प्राप्त आकडे एकत्रित करने के लिये प्रत्येक स्कूल के चयनित छात्रो को एक कक्ष मे एकत्र कर उन्हे शोध से सबधित जानकारी दी गयी ।

साथ ही प्रश्नावली के विषय मे सक्षिप्त विवरण बताया तदुपरात विद्यार्थियो को बिठाकर उन्हे प्रश्नावली वितरित की गयी और उनसे प्रश्नो के उत्तर लिखने सबधी आग्रह किया गया । लगभग डेढ घटे पश्चात विद्यार्थियो ने भरी हुई

प्रश्नावलियॉ जमा की । इस प्रकार शोधकर्ता ने एक दिन मे दो स्कूल के छात्रो से प्रश्नावली भरवायी तथा आवश्यक आकडे एकत्र किये । शिक्षको एव छात्रो के शत प्रतिशत प्रति उत्तर प्राप्त हुये ।

3.5 प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त तकनीक :

प्राथमिक विद्यालयो के शिक्षको एव विद्यार्थियो से प्राप्त प्रश्नावलियो मे निहित आकडो का सारणीयन कर उनका विश्लेषण तार्किक पद्धति के द्वारा किया गया जिसमे प्रतिउत्तरो के प्रतिशत की गणना की गयी ।